इन्टरव्यू १७

प्र: आपका नाम क्या है ?
ज: हमारा नाम मो.नसीर है।

प्र: आपकी उम्र कितनी है ?
ज: हमारा 30 साल उम्र है और इस काम में फायदा नहीं है।

प्र: बुनकारी का काम करते हैं ?
ज: हां।

प्र: बुनकारी में आप डिजाइन का काम करते थे ?
ज: हां बेल बूटी वाला।

प्र: आपका अपना करघा था या मजदूरी करते हैं ?
ज: मजदूरी करते थे इसमें कोई फायदा नहीं था अगर कोई नुकसान हो जाए तो मजदूरी कट जाती थी। खराब हो गई तो आधे से ज्यादे कट जाती थी।

प्र: एक साड़ी कितनी मजदूरी होती हैं ?
ज: वहीं एक हजार रुपया।

प्र: और कट कर कितनी मिलती थी ?
ज: वहीं 400-500 रुपया उसमें बच्चों का खर्चा चलाना कैसे होगा।
रूकावट
12 घण्टे काम करो और 40 रुपया मिलता है। और उसमें अगर नुकसान हो जाए तो सारा दिन फिका हो जाता है। इसमें क्या है बेकार, खटाव

प्र: और मजदूरी पूरी साड़ी बिनने के बाद मिलती है एक दिन बाद ?
ज: पूरी साड़ी बिनने के बाद। जब हम साड़ी लेकर जायेंगे तभी हमें मजूरी मिलेगी।

प्र: एक महिना में कितना मिल जाता था ?
ज: एक महीना में तीन ठो बिनते थे तो वही 15 सौ हो जाता था।

प्र: घर में कितने लोग हैं ?
ज: हमारे पल्ले तो छः परिवार है हम अकेले चलाते हैं।

प्र: आप दुकान कब से रखे है ?
ज: वही साल भर हो गया।

प्र: इससे आपको कितना मुनाफा होता है ?
ज: इससे हमको अच्छा खासा मुनाफा होता है। वही 60-70 रुपया।

प्र: रोज ?
ज: हां रोजाना हो जाता है।

प्र: महीने में कितना हो जाता है ?
ज: जोड़ लिजिए आप कितना (हंसने की आवाज) जोड़ लिजिए पढ़े लिखे हो।

प्र: अभी भी छः परिवार ही है ?
ज: हां।

प्र: तो इससे चल जाता है खर्च ?
ज: हां।

प्र: छः लोग जो बाकी है तो क्या करते हैं ?
ज: घर में भाई लोग हैं।

प्र: वो लोग क्या करते हैं ?
ज: दो लोग तो बुनते हैं अभी उसी में फंसे है।

प्र: तो सबका मिलकर चलता है कि आपका अकेले चलता है ?
ज: नहीं हमारा अकेले चलता है।

प्र: आपका परिवार अलग हो गया है ?
ज: हमारी बीबी है चार ठो बच्चे हैं। छः आदमी है।

प्र: आपको ये नहीं लगता कि अगर पैसा आए तो फिर से बुनकारी शुरू करें ?
ज: नहीं एकदम मन नहीं करता।

प्र: तो क्या पूरी तरह से बुनकारी छोड़ दिए हैं ?
ज: हां, एकदम छोड़ दिए।

प्र: आप कोई और बिजनेस का नहीं सोचे बुनकारी में ?
ज: नहीं अभी तक तो नहीं सोचे हैं। आगे चल कर देखा जाएगा।

प्र: अगर मान लिजिए आपको कोई मौका मिले कभी फिर से बुनकारी में जाने का तो आप जायेंगे या नहीं ?
ज: अगर सही हिसाब किताब बनेगा तो जायेंगे वरना नहीं।